होली होगी हमारी तुम्हारी

कहां जाओगे बांके बिहारी,
होली होगी हमारी तुम्हारी ।

आगे आगे हैं बांके बिहारी,
पीछे पीछे है राधा गोरी ।
जाने दूंगी ना तुमको मुरारी,
होली होगी हमारी तुम्हारी ॥

इक तरफ तो है राधा की टोली,
दूजी और तो काहना की टोली ।
यहाँ दो दो चलेंगी पिचकारी,
होली होगी हमारी तुम्हारी ॥

गर भागोगे जाने ना दूंगी,
गलिओं में तुम्हे घेर लुंगी ।
तेरे गुल्चे पे मारू पिचकारी,
होली होगी हमारी तुम्हारी ॥

पीताम्बर तेरा छीन लुंगी,
साड़ी मैं तुझे पह्नाउंगी ।
तुझे नर से बना दूंगी नारी,
होली होगी हमारी तुम्हारी ॥

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/1412/title/kahan-jaoge-banke-bihari-holi-hogi-hamari-tumhari-holi-bhajan-by-Alka-Goel

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |